वर्ष :: 34 अंक : 29
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 34 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

बोकारो :: रविवार, 14 अप्रैल, 2024 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

धनबाद में सियासी धमाका

ढुल्लू के खिलाफ सरयू ने फूंका बिगुल

– विजय कुमार झा –

धनबाद/बोकारो : धनबाद लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद पशुपति नाथ सिंह का टिकट काटकर बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो को भाजपा का लोकसभा उम्मीदवार बनाए जाने से जहां पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी देखी जा रही है और संगठन की ओर से नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की कवायद तेज हो गई है। इसी बीच जमशेदपुर पूर्वी में भाजपा के तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास को उनके ही घर में पटखनी देने वाले विधायक सरयू राय ने भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ बिगुल फूंकते हुए धनबाद से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर सियासी धमाका कर दिया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने श्री राय को पहले ही अपना समर्थन देने का ऐलान कर दिया है, जबकि कांग्रेस नेतृत्व इस सीट को लेकर अभी तक दुविधा में है। महागठबंधन में यह सीट कांग्रेस के कोटे में आयी है। चर्चा है कि कांग्रेस यहां से ढुल्लू महतो के प्रतिद्वन्द्वी रहे पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो को अपना उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक कांग्रेस की ओर से इसकी औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। वैसे, सरयू राय को विश्वास है कि विपक्षी पार्टियों का सहयोग भी उन्हें मिलेगा। क्योंकि, ढुल्लू महतो के विरोधी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। अब सरयू राय यहां से चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जीत की संभावना कितनी रहेगी, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। लेकिन, भाजपा के वोटों में बिखराव होना तय है और मुकाबला आमने-सामने का होगा। लेकिन, यदि कांग्रेस ने यदि जलेश्वर महतो को अपना प्रत्याशी बना दिया तो मुकाबला त्रिकोणीय हो जाएगा।

नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की कवायद

दरअसल, भाजपा ने धनबाद से लगातार तीन बार सांसद रहे पशुपति नाथ सिंह का टिकट काटकर उनकी जगह जैसे ही बाघमारा के विधायक ढुल्लू महतो को अपना उम्मीदवार घोषित किया, भाजपा कार्यकर्ताओं में नाराजगी छा गई। भीतर ही भीतर उनका आक्रोश उबलने लगा। वे उधेड़बुन की स्थिति में आ गए। ढुल्लू महतो के खिलाफ भाजपा के अंदरखाने में ही बगावत की हवा तूफान का रूप लेने लगी। हालांकि, विधायक ढुल्लू महतो ने धनबाद, बोकारो के कई विधानसभा क्षेत्रों में घूमकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कई बैठकें भी की हैं। लेकिन, यह सब देखकर शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मी कान्त वाजपेयी सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने **(शेष पेज- 7 पर)**

झामुमो का मिला समर्थन, कांग्रेस कंफ्यूजन में

विधायक सरयू राय ने जब जनता के आग्रह पर धनबाद से लड़ने की घोषणा की तो सबसे पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा ने उन्हें समर्थन देने की घोषणा की। साथ ही, कांग्रेस से भी इस पर विचार करने को कहा। लेकिन, खबर लिखे जाने तक कांग्रेस की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। कांग्रेस ऊहापोह की स्थिति में है। चर्चा चली कि कांग्रेस धनबाद से गिरिडीह के पूर्व भाजपा सांसद रविन्द्र कुमार पांडेय को अपने पाले में लेकर उन्हें चुनाव मैदान में उतार सकती है, लेकिन खबर लिखे जाने तक कांग्रेस कन्फ्यूजन में है। अब सरयू राय ने धनबाद से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। वैसे, इसकी औपचारिक घोषणा वे चैत्र नवरात्रि के बाद करेंगे।

रघुवर दास को पराजित कर बटोरी सुर्खियां

जानकार बताते हैं कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री (वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल) रघुवर दास के मन में सरयू राय के प्रति धारणा अच्छी नहीं थी। सरयू राय जमशेदपुर पश्चिम से विधायक और रघुवर दास की सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। लेकिन, जब वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव का समय आया तो भाजपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। सरयू राय का कहना था कि रघुवर दास ने ही उनका टिकट काटने के लिए भाजपा नेतृत्व पर दबाव डाला। उस समय रघुवर दास जमशेदपुर पूर्वी से विधायक थे। गुस्से में सरयू राय ने अपनी सीट बदल ली और रघुवर दास के क्षेत्र से निर्दलीय चुनाव लड़ा। भाजपा की पूरी कोशिश के बावजूद सरयू राय ने रघुवर दास को बुरी तरह पराजित कर दिया। एक मुख्यमंत्री को उनके ही कैबिनेट के सहयोगी ने निर्दलीय उम्मीदवार बनकर हराया। 2019 के चुनाव में न सिर्फ रघुवर दास पराजित हुए, बल्कि भाजपा भी झारखंड में सरकार बनाने से चूक गई। उन दिनों सरयू राय ने खूब सुर्खियां बटोरी।

घोटालों को उजागर करने में प्रख्यात रहे हैं सरयू राय

सरयू राय की पहली पहचान यह है कि वे घपलों- घोटालों को उजागर करने में प्रख्यात रहे हैं। उन्होंने बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव के खिलाफ पशुपालन विभाग में चारा घोटाले का पर्दाफाश किया था। लालू यादव चारा घोटाले में सजायाफ्ता हैं। फिर उन्होंने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के काले कारनामों का भंडाफोड़ किया। कोड़ा को भ्रष्टाचार के मामले में जेल भी जाना पड़ा। जानकारों के अनुसार उनके पास नेताओं के काले कारनामों का पुलिंदा हमेशा पड़ा रहता है। सरयू राय सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार के अलावा नैतिक मूल्यों की राजनीति करने वाले गंभीर व्यक्ति माने जाते हैं। उन्होंने झारखंड में लौह अयस्क के अवैध उत्खनन पर एक चर्चित किताब लिखी है- रहबर की राहजनी। किताब में पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का ब्यौरा है।

संभावना बोकारो में 'रिफ्रैक्टरीज' पर बीएसएल ने की अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी, विशेषज्ञों ने किया विचार-मंथन

इस्पात-उत्पादन के क्षेत्र में कारगर होगी नैनो टेक्नोलॉजी

संवाददाता

बोकारो : समय के साथ तकनीक भी लगातार संवर्धित होती चली जा रही है। हर क्षेत्र में तकनीक विकास का आधार बन रही है। इसी कड़ी में अब इस्पात उत्पादन के क्षेत्र में नैनो टेक्नोलॉजी कारगर साबित होने जा रही है। इस विषय पर इस्पातनगरी बोकारो में देश-विदेश के दिग्गजों का दोदिवसीय समागम हुआ और उन्होंने गहन मंथन किया। बीएसएल के मानव संसाधन विकास केंद्र में बोकारो स्टील प्लांट की मेजबानी में नैनो टेक्नोलॉजी और टिकाऊ समाधानों के माध्यम से लौह और इस्पात उद्योग में रिफ्रैक्टरीज में प्रगति विषय पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आरईएफआईएस-4.0 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में निदेशक-प्रभारी राउरकेला स्टील प्लांट एवं अतिरिक्त प्रभार बोकारो स्टील प्लांट अतनु भौमिक, मुख्य अतिथि रहे।

बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी, महनिदेशक (एफआईआई) डॉ दीपक जैन एवं डॉ. चाको जैकब, प्रोफेसर (आईआईटी, खड़गपुर) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सम्मेलन में बीएसएल के अधिशासी निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरीज) वीपी उपाध्याय सहित अन्य मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सेल अध्यक्ष अमरेन्दु प्रकाश, निदेशक-प्रभारी भिलाई स्टील प्लांट ए दासगुप्ता तथा निदेशक-प्रभारी दुगार्पुर एवं आईएसपी बर्नपुर बी पी सिंह ने भी प्रतिभागियों को ऑनलाइन मोड पर सम्बोधित किया और रिफ्रैक्टरीज से जुड़ी चुनौतियों एवं संभावनाओं पर अपने विचार रखे।

2030 तक रिफैक्टरी सेक्टर में बनेगा आत्मनिर्भर भारत

ज्ञातव्य है कि इस सम्मेलन के दौरान रिफ्रैक्टरी उद्योग से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों, विशेषकर वर्ष 2030 तक देश में इस्पात उत्पादन क्षमता 300 मिलियन टन के लक्ष्य को हासिल करने के परिप्रेक्ष्य में रिफ्रैक्टरी सेक्टर में देश को आत्म-निर्भर बनाने, इंडस्ट्री-4.0 टेक्नोलोजी के इस्तेमाल द्वारा कम लागत तथा उच्च गुणवत्ता वाले रिफ्रैक्टरी का निर्माण तथा इस्पात एवं रिफ्रैक्टरी उद्योग के परस्पर हितों से सम्बंधित सभी बिन्दुओं पर गहन मंथन कर भविष्य के लिए रोड मैप तैयार किया जायेगा। बता दें कि रिफ्रैक्टरी सामग्री का उपयोग इस्पात उद्योग में बड़े पैमाने पर किया जाता है। कम लागत तथा उच्च गुणवत्ता वाले रिफ्रैक्टरी के उपयोग से स्टील उत्पादन के लागत में भी कमी आएगी।

निदेशक प्रभारी बीएसएल श्री भौमिक, अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री तिवारी एवं महनिदेशक (एफआईआई) डॉ दीपक जैन ने इस्पात उद्योग में रिफ्रैक्टरी की अहमियत और वर्ष 2030 तक देश में इस्पात उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ-साथ रिफ्रैक्टरी की बढ़ती जरूरतों और सम्बंधित पहलुओं पर चर्चा की। डॉ.चाको जैकब ने रिफ्रैक्टरी के क्षेत्र में नैनो टेक्नोलॉजी की **(शेष पेज- 7 पर)**

- संपादकीय -

झारखंड हाईकोर्ट की सख्ती

झारखंड में सांसदों व विधायकों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों के निपटारे में हो रही देरी पर हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सीबीआई से पूछा कि राज्य में विधायकों और सांसदों से जुड़े केस में सुनवाई पर देरी क्यों हो रही है? कोर्ट ने सीबीआई को यह भी बताने को कहा कि राज्य के सांसदों और विधायकों के मामलों में ट्रायल की क्या स्थिति है और इसमें देरी क्यों हो रही है? इसके साथ ही कोर्ट ने सीबीआई से यह भी बताने को कहा कि राज्य में कितने सांसद और विधायकों का ट्रायल पूरी हो चुकी है और कितने सांसद-विधायकों का ट्रायल बचा हुआ है? कोर्ट ने सीबीआई को सभी का जवाब 16 अप्रैल तक दाखिल करने को कहा है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने एमपी और एमएलए के खिलाफ आपराधिक मामलों के शीघ्र निपटारे को लेकर दिशा निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों से ऐसे मामलों की प्रभावी निगरानी और निपटान के लिए स्वतः संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने को कहा है। यहां यह बताना जरूरी है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों के जल्द निष्पादन के लिए सुप्रीम कोर्ट पहले ही विशेष एसपी/एमएलए कोर्ट बना चुका है। इन कोर्ट में ऐसे 65 मामलों पर अभी भी सुनवाई जारी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि विशेष न्यायालयों में भी कई सालों से मामले लंबित हैं। ऐसे में विशेष कोर्ट बनाने का कोई औचित्य ही नहीं रहा है। वर्तमान में देश के 9 राज्यों में ऐसी 10 विशेष अदालत काम कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के सभी हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस, जिला जज से कहा कि इन मामलों के निस्तारण के लिए समय-समय पर रिपोर्ट लेते रहें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस वेबसाइट में लगातार एमपी/एमएलए के खिलाफ लंबित केस का ब्यौरा डाला जाए। साथ ही यह पता लगाया जाए कि आखिर ये मामले लंबित क्यों हैं? इन मामलों के निस्तारण में देरी क्यों हो रही है? कोर्ट ने कहा कि इन मामलों के निस्तारण में किन स्तर पर रुकावट आ रही है, इसका पता लगाया जाए। उल्लेखनीय है कि झारखंड में 27 जन-प्रतिनिधियों के खिलाफ 68 मामले लंबित हैं। इनमें से 24 मौजूदा विधायक हैं। इसमें नेता प्रतिपक्ष के साथ दो मंत्री भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से मांगी गई जानकारी के जवाब में राज्य सरकार ने जनप्रतिनिधियों के खिलाफ चल रहे मामलों की सूची भेजी थी, जिसके मुताबिक 44 जनप्रतिनिधियों पर कुल 118 मामले थे। इनमें से 50 मामले निपटा दिए गए। इन 50 मामलों में से 39 मामलों में आरोपी बनाए गए 7 जनप्रतिनिधि बरी हो गए, जबकि 7 मामलों में आरोपी बनाये गए 6 जनप्रतिनिधि को दोषी करार दिया गया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर ही झारखंड हाईकोर्ट स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दायर कर सुनवाई कर रहा है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

इन कारणों से बाबा साहेब ने छोड़ दी थी कांग्रेस पार्टी

14 अप्रैल : डॉ. अंबेडकर जयंती पर विशेष

डॉ. अंबेडकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखते थे और पंडित नेहरू और कैबिनेट में शामिल अन्य कांग्रेसी मंत्रियों से कुछ मुद्दों में असहमत थे। कश्मीर मुद्दे को निपटने के पंडित नेहरू के तरीके पर उनकी आपत्तियां, संविधान के अनुच्छेद 370 का विरोध, जो जम्मू-कश्मीर को विशेष अधिकार देता है, समान नागरिक संहिता के लिए उनका समर्थन और हिंदू कोड बिल को रोकने के लिए संसद से उनकी निराशा, जिसे उन्होंने तैयार किया था, इन सभी ने उन्हें कैबिनेट में अपनी बढ़ती अस्थिर स्थिति से अलग होने में योगदान दिया। डॉ. अंबेडकर ने कई मौकों पर कश्मीर विषय पर चर्चा की। 10 अक्टूबर, 1951 को डॉ. अंबेडकर ने भारत की विदेश नीति के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। डॉ. अंबेडकर ने पंडित नेहरू पर भारत के पिछड़े हिंदुओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के लोगों की तुलना में, विशेष रूप से कश्मीर में मुसलमानों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। सिखों, ईसाइयों और अन्य धार्मिक समूहों के खिलाफ कई अत्याचार किए गए, लेकिन सरकार ने उन पर बहुत कम ध्यान दिया।

सरकार ने अपना सारा ध्यान कश्मीर पर केंद्रित कर दिया। डॉ. अंबेडकर ने विभाजन के साथ पूर्ण जनसांख्यिकीय पृथक्करण की वकालत की, लेकिन उनकी आवाज कभी नहीं सुनी गई। उन्होंने कहा- 'कांग्रेस कब तक टिकेगी? कांग्रेस पंडित नेहरू है और पंडित नेहरू कांग्रेस है। लेकिन, क्या पंडित नेहरू अमर हैं? जो कोई भी इन मुद्दों पर विचार करेगा, उसे पता चल जाएगा कि कांग्रेस सूरज और चांद तक नहीं टिकेगी। इसे अंततः समाप्त होना ही है। कांग्रेस हमेशा जीतती है लेकिन कोई आश्चर्य नहीं करता कि कांग्रेस क्यों जीतती है। इसका उत्तर यह है कि कांग्रेस बेहद लोकप्रिय है। लेकिन कांग्रेस क्यों लोकप्रिय है? सच्चाई यह है कि कांग्रेस हमेशा उन जातियों से उम्मीदवार बनाती है जो निर्वाचन क्षेत्रों में बहुमत रखती हैं। जाति और कांग्रेस का घनिष्ठ संबंध है। जाति व्यवस्था का शोषण करके ही कांग्रेस जीतती है।' जब पेशेवर लोग डॉ. अंबेडकर का व्यापक दृष्टिकोण और निष्पक्ष दृष्टिकोण से विश्लेषण करना शुरू करेंगे, तो लोगों को वास्तविकता की गहरी समझ प्राप्त होगी और वे महसूस करेंगे कि वे हिंदूधर्म के विरोधी नहीं थे, बल्कि सामाजिक प्रासंगिकता की कुछ प्रथाओं में रचनात्मक संशोधन करने की सच्ची सोच रखते थे। इस शानदार देशभक्त और मानवता के महान नेता को नमन।

आज भी प्रासंगिक हैं व्यक्तित्व, कृतित्व एवं विचार

बीआर आम्बेडकर वाकई भारत रत्न हैं। प्रख्यात मनीषी, संविधानसर्जक व श्रद्धेय राष्ट्रनिमार्ता। वे अद्वितीय थे, प्रेरक थे, अमर थे। उन्होंने भारतीय सार्वजनिक जीवन में हस्तक्षेप किया। उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और विचार आधुनिक राजनीति को भी लगातार प्रभावित कर रहे हैं। वे अपने जीवनकाल से ज्यादा आधनिुक काल में भी प्रभावी हैं। वर्तमान जैसे विद्यमान श्रीमान है। प्रखर राष्ट्रवादी हैं। डॉ. आम्बेडकर अपने समकालीन विद्वानों, राजनेताओं के मध्य श्रेष्ठ बुद्धिजीवी थे। राष्ट्रनिष्ठ और बहुपठित थे। वे भारतीय समाज संरचना के आलोचक थे। उन्होंने ऋग्वेद सहित सम्पूर्णप्राचीन भारतीय वाड्.मय पढ़ा। उपनिषद पुराण और स्मृति ग्रन्थ भी उनके प्रिय विषय रहे। उन्होंने प्राचीन इतिहास का गहन अध्ययन किया। मार्क्सवाद पढ़ा और भारतीय परिस्थितियों खासतौर से दलितों के लिए अनुपयोगी बताया।

आर्यों को बताया था पूर्वज

बाबा साहेब ने बहुचर्चित 'आर्य आक्रमण के सिद्धांत' का प्रतिकार किया। भारतीय इतिहास बोध के प्रेमी उनके ऋणी रहेंगे। राजनीति ने 'जाति और शूद्र' को भारतीय इतिहास का प्राचीन तत्व बनाया है। ब्रिटिश विद्वान व जातिवादी राजनीति का एक बड़ा धड़ा आर्यों को विदेशी हमलावर और शूद्रों को पराजित नस्ल बताता रहा है। डॉ. अम्बेडकर ने लिखा, 'यह धारणा गलत है कि आर्य आक्रमणकारियों ने शूद्रों को जीता। पहली बात तो यह कि आर्य भारत में बाहर से आए थे और उन्होंने यहां के मूल निवासियों पर आक्रमण किया, इस कहानी के समर्थन के लिए कोई भी प्रमाण नहीं है। भारत ही आर्यों का मूल निवास स्थान था, यह सिद्ध करने के लिए प्रमाण-सामग्री काफी बड़े परिमाण में है। आर्य विदेशी होते तो भारतीय नदियों को माता कहकर प्रणाम न करते। आर्य हम सबके पूर्वज थे।'

वर्ण भेद को बताया था गलत

डॉ. अम्बेडकर ने रंग (वर्ण) भेद के आधार पर आर्यों और शूद्रों को अलग बताने वाली स्थापना को भी गलत बताया। उन्होंने ऋग्वेद के तमाम उद्धरण दिये और लिखा, 'आर्य गौर वर्ण के थे और श्याम वर्ण के भी थे। अश्विनी देवों ने श्याव और रूक्षती का विवाह करवाया। श्याव श्याम वर्ण है, रूक्षती गौर वर्ण है। इन उद्धरणों से ज्ञात होता है कि वैदिक आर्यों में रंगभेद की भावना नहीं थी। ऋग्वेद के एक ऋषि दीर्घतमस् है, वे श्याम वर्ण के, और कण्व भी श्याम वर्ण के थे। आर्यों के दोनों अवतारी पुरुष श्रीराम व श्रीकृष्ण सावंले थे। महाभारत के प्रतिष्ठित योद्धा अर्जुन भी श्याम रंग के थे। समूचा आर्य समाज एक था। हिन्दू प्राचीन आर्य समाज की ही नई संज्ञा है।'

- प्रस्तुति : विकास

शुचिता

मैथिली कविता

- शम्भुनाथ -

गाय गंग द्विज श्रेष्ठतम
तुलसी जीवन मूल।
सगर सनातन कहि रहल
एकर न क्यो समतूल।।

पूजित सगरो गाय नित
तुलसी गंग विधान।
अवहेलित ब्राह्मण सगर
घटि रहलै नित मान।।

कर्म प्रधाने जाति सब
अछि पुराण मे भेद।
जीवन यापन आय हित
सकल बहाबय स्वेद।।

रहय मगन निज काज मे
बिनु कयने व्यवधान।
अंग समाजक सम सकल
जातिक काज प्रमाण।।

ऊँच नींच कहिके विलग
छूत अछूते भिन्न ।
विघटित भेल समाज सब
सम आचार सँ छिन्न।।

अपवित्र बाभन कोना
यदि तन लागल छाँह।
रहय गंग सुचितम सतत
सब मलि धोअए बाँहि।।

गाय न बूझय छूत केँ
सतत रहैअछि शुद्ध।
सकल जाति मे पूज्य से
मानय जगत प्रबुद्ध।।

गंगा तुलसी गाय केँ
छूनहि लोक पवित्र।
विप्र होय दूषित कोना
लागय परम विचित्र।।

जतय विप्र पद रज पड़ल
लोक थान सब पूत।
शुचितम तन निर्मल सकल
रहय न जाति अछूत।।

जाति धरम के नाम पर
टूटल हमर समाज।
छूत अछूतक भेद कहि
साधय अप्पन काज।।

आंगुर हाथक पाँच अछि
होय ने खनहुँ समान।
छोट पैघ मे भेद नहि
तखनहिँ हाथक मान।।

बोकारो में चुनावी तैयारियां संतोषजनक

प्रमंडलीय आयुक्त ने निरीक्षण में जताया संतोष

संवाददाता

बोकारो : उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल हजारीबाग की आयुक्त सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने बोकारो जिले के दौरे के क्रम में बेरमो, गोमिया एवं बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला मुख्यालय पहुंची आयुक्त को बोकारो परिसदन में पुलिस जवानों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इससे पूर्व जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह- उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने पौधा देकर उनका स्वागत किया। आयुक्त ने परिसदन में जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह- उपायुक्त, उप विकास आयुक्त समेत अन्य पदाधिकारियों के साथ लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर प्रगति कार्य की जानकारी ली। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

इसके पूर्व आयुक्त ने गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पेटरवार प्रखंड के मतदान केन्द्र संख्या 240 उत्क्रमित मध्य विद्यालय ब्लॉक कालोनी पेटरवार, मतदान केंद्र संख्या 251,252,253 एवं 254 राजकीयकृत बालिका मध्य विद्यालय पेटरवार गागी, मतदान केंद्र संख्या 249 उत्क्रमित राजकीयकृत मध्य विद्यालय दारिद, बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जरीडीह प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 294, उत्क्रमित मध्य विद्यालय माझीडीह, 295,296,297,298 मध्य विद्यालय बांधडीह,मतदान केंद्र संख्या 288,289,291,292 उच्च विद्यालय बांधडीह एवं बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चास प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 138,139,140 होली क्रॉस स्कूल एवं मतदान केंद्र संख्या 122,123,124,125 मध्य विद्यालय माराफारी आदि का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्र में उपलब्ध दिव्यांग मतदाताओं के लिए रैंप, पेयजल, शौचालय, बिजली, वरिष्ठ मतदाताओं को मिलने वाली सुविधा की जानकारी ली। मौके पर उपस्थित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से कई सवाल किये।

इस अवसर पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती प्रतिभा कुजूर, संबंधित प्रखंडों के सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह- बीडीओ/सीओ आदि उपस्थित थे।

मतदानकर्मियों को निष्पादन कार्य में नहीं हो कोई परेशानी : उपायुक्त

लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर सेक्टर 08 स्थित बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी हाई स्कूल में बनाएं गए डिस्पैच सेंटर का जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने निरीक्षण किया। मौके पर निर्वाचन कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह डीडीसी संदीप कुमार, सामग्री कोषांग की वरीय नोडल पदाधिकारी मेनका, वाहन कोषांग के वरीय नोडल सह अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, नोडल पदाधिकारी सह डीटीओ वंदना शेजवलकर, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी सह डीएसओ शालिनी खलको, डीसीओ श्वेता गुड़िया, मीडिया कोषांग के नोडल सह डीपीआरओ साकेत कुमार पांडेय, प्रभारी पदाधिकारी सह एपीआरओ अविनाश कुमार, पंकज दूबे, भवन प्रमंडल विभाग के अभियंता आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। डीईओ सह डीसी ने डिस्पैच सेंटर में विधानसभावार ईवीएम मशीनों के लिए बनाएं जाने वाले स्ट्रांग रूम के लिए आरक्षित कमरों को देखा। चल रहे मार्किंग कार्य का जायजा लिया। विधानसभावार कहां से मतदान कर्मी प्रवेश झ निकासी करेंगे। इसकी जानकारी संबंधित पदाधिकारियों से से प्राप्त की। मीडिया कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री साकेत कुमार पांडेय को पूरे परिसर में साइनेज लगाने को लेकर जरूरी निर्देश दिया। मौके पर संबंधित पदाधिकारियों को ससमय कार्यों को पूरा करने को कहा। मतदान कर्मियों को डिस्पैच के दिन कोई परेशानी नहीं हो,इसको लेकर पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का सभी संबंधित वरीय नोडल एवं नोडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया।

निर्णय कार्यसमिति की बैठक में कार्य-योजनाएं तय, लगेगी महाकवि विद्यापति की भव्य प्रतिमा

मिथिला-मैथिली के विकास को लेकर संकल्पित मिथिला सांस्कृतिक परिषद

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में मैथिलों की प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो ने शहर में मिथिला-मैथिली के विकास को लेकर नए सिरे से संकल्पित होने का निर्णय लिया है। इस निमित्त कई कार्य-योजनाएं भी तैयार की गई हैं। कार्यकारिणी की बैठक परिषद-संचालित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सभागार में हुई। बैठक में परिषद कार्यकारिणी द्वारा वर्ष 2024 - 2027 के लिए मिथिला सांस्कृतिक परिषद् के अध्यक्ष के पद पर बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक (सेवाएं) अनिल कुमार व उपाध्यक्ष पद हेतु समरेन्द्र झा एवं अविनाश कुमार झा का मनोनयन किया गया। इसके साथ ही विशिष्ट आमंत्रित सदस्य के रूप में विपिन कुमार सिंह, कुंदन कुमार, राजेन्द्र कुमार व बटोही कुंवर मनोनीत किए गए। बैठक में भावी कार्ययोजनाओं पर चर्चा की गयी। 28 अप्रैल 2024 को बीजीएच के सहयोग से मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल परिसर में रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में परिषद् के चास स्थित जमीन पर प्ले स्कूल खोलने हेतु भवन निर्माण पर भी चर्चा हुई। परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी ने बताया कि परिषद् की कार्यकारिणी की बैठक में मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल परिसर में महाकवि विद्यापति की प्रतिमा स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया। परिषद् के पंचांगयुक्त कैलेंडर के शीघ्र प्रकाशन सहित अन्य जरूरी मुद्दों पर भी चर्चा की गयी। सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक ने मई में जानकी नवमी भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ मनाने की बात कही। बैठक की अध्यक्षता कर रहे राजेन्द्र कुमार ने कहा कि परिषद् की नई कार्यकारिणी ऊर्जावान है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि यह नयी टीम परिषद् व समाजहित में नया आयाम गढ़ेगी।

बैठक में परिषद् के नये मनोनीत उपाध्यक्षद्वय समरेन्द्र झा व अविनाश कुमार झा, महासचिव नीरज चौधरी, संयुक्त सचिव प्रदीप कुमार झा, सुनील कुमार चौधरी, वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक, संगठन सचिव बहुरन झा, योजना सचिव शिवेश पाठक, प्रेस सचिव मुकेश कुमार झा, उप वित्त सचिव मनोज कुमार झा, उप सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक प्रदीप झा, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सचिव पी के झा 'चंदन', परिषद् के कार्यकारिणी सदस्य गोविन्द कुमार झा, अनिल कुमार झा, गोपाल जी झा, आनंद कुमार राजहंस, आर एन मिश्र, गणेश झा, सुदीप कुमार ठाकुर, अरविन्द कुमार मिश्र, शंकर कुमार सिंह, गोपाल कृष्ण झा आदि उपस्थित थे।

बीएसएल में अब बायोमेट्रिक से होगी ठेका मजदूरों की पहचान

संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट में बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली से ठेका श्रमिकों की शिनाख्त होगी और वे ड्यूटी में प्रवेश कर सकेंगे। मुख्य महाप्रबंधक कार्मिक, बोकारो स्टील प्लांट हरि मोहन झा तथा डॉ. बी.बी. करुणामय, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो जनरल हॉस्पिटल ने गैर-संकार्य क्षेत्र में ठेका मजदूरों के लिए बायोमेट्रिक आरएफ आईडी कार्ड सुविधा का शुभारम्भ किया।

अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल के प्रथम चरण में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के ठेका श्रमिकों के बीच इस कार्ड का वितरण किया जाएगा एवं तत्पश्चात अन्य विभागों के ठेका श्रमिकों को भी इस कार्ड की सुविधा प्रदान की जाएगी।

बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान के अनुसार, बोकारो स्टील प्लांट में ठेका मजदूरों की सुविधाओं को पुख्ता बनाने के उद्देश्य से की गई यह एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। इस अहम पहल के जरिए बायोमेट्रिक आरएफ आईडी कार्ड के माध्यम से ठेका मजदूरों की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी तथा ठेका मजदूरों को देय सुविधाओं को सुनिश्चित करने में भी इससे मदद मिलेगी। यह प्रयास ठेका व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

समानता एवं ज्ञान का प्रतीक हैं बाबा साहेब : लक्ष्मी नारायण

संवाददाता

बोकारो : डा. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में बेरमो स्थित केबी कॉलेज में समानता एवं ज्ञान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने की। जंतु शास्त्र सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया। अन्य शिक्षकों, कर्मियों, छात्र छात्राओं ने पुष्प चढ़ाकर अपने श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

मौके पर प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा कि जीवनभर समानता के लिए संघर्ष करने वाले अम्बेडकर को समानता एवं ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। उनका नारा - शिक्षित बनो, संगठित रहो व संघर्ष करो आज के समय मे भी प्रासंगिक है। प्रोफेसर इंचार्ज प्रो. गोपाल प्रजापति ने कहा- भारतीय समाज, लोकतंत्र, राजनीति एवं संस्कृति पर आंबेडकर जी का गहरा प्रभाव पड़ा है। देश के हर नागरिक के लिए सम विधान का निर्माण करने वाले अंबेडकर का जीवन अपने आप में एक शिक्षा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के कार्यक्रम पदाधिकारी डा. प्रभाकर कुमार ने कहा बाबा साहेब हमारे बीच तो नहीं हैं पर उनके विचार आज भी लोगों के साथ है जो जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। सदन राम ने कहा संविधान निमार्ता एवं सामाजिक समरसता के प्रतीक के रूप मे यह याद किए जाते हैं। अन्य वक्ताओं शिक्षक ने भी अपने विचार रखे। इस क्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों को संविधान के सम्मान की शपथ दिलाई गई। स्वयंसेवकों ने पोस्टर, स्लोगन, पेंटिंग आदि के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। संचालन कार्यक्रम पदाधिकारी (एनएसएस) डा प्रभाकर कुमार ने किया। मौके पर आईक्यूएसी सदस्य डा. अलीशा वंदना लकड़ा महतो, डा. वासुदेव प्रजापति, प्रो. अमित रवि, प्रो. पीपी कुशवाहा, प्रो. संजय कुमार दास, दीपक कुमार राय, हरीश नाग, रवि यादविंदू, मो. साजिद, शिव चन्द्र झा, बालेश्वर यादव, पुरुषोतम चौधरी, भगन घासी, राजेश्वर सिंह, आशा देवी आदि मौजूद रहे।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सुधार की अद्यतन जानकारी जरूरी : डॉ. जरूहार

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसाइटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कालेज, बोकारो में मेजर रिफार्म्स इन एक्रिडिटेशन ऑफ हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स विषय पर दो-दिवसीय राष्ट्रस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कॉलेज निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने बताया कि एन.ए.ए.सी. द्वारा एक्रिडिटेशन के नियमों में किये गये बदलावों की अद्यतन जानकारियों से अवगत कराने हेतु, यरह कार्यशाला का आयोजन किया गया है। अतिथि वक्ता डॉ. देवयानी सिंह, सहायक प्रो. तथा आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक, बोकारो सिटी कालेज ने अपने संबोधन में किसी भी संस्थान के सर्वांगीण विकास में उसके 'हेड-हार्ट-हैंड' की भूमिका के महत्व पर जोर दिया। अतिथि वक्ता डॉ. कुमार नाथ झा, अंग्रेजी विभाग प्रमुख, चास कालेज ने एन.ए.ए.सी. की आवेदन प्रक्रिया तथा उसके विभिन्न चरणों के बारे में सविस्तार चर्चा की। दूसरे दिन ऑनलाइन सत्र में डॉ. मंदार देशमुख ने अपने

वक्तव्य में कंप्यूटर लैबोरेट्रीज के उपयुक्त रखरखाव के विषय में जानकारियां साझा कीं। इस प्रकार कार्यशाला में टेक्निकल सत्र, प्रश्नोत्तरी सत्र एवं आनलाइन सत्र, तीनों आयोजित हुए। इस कार्यशाला का समन्वयन व संचालन एम.बी.ए. विभाग प्रमुख प्रो. विकास जैन तथा आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक प्रो. सिमरन भीमजियानी ने किया। संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह और सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने बधाई दी।

खतरा आवारा कुत्तों का खौफ, नारायणपुर में एक ही दिन में तीन लोगों को किया घायल

कुत्तों से सावधान! आए दिन लोग हो रहे शिकार

संवाददाता

बोकारो : बोकारो की सड़कों पर अगर कहीं आप बाइक या पैदल जा रहे हैं और कुत्ते आपको अपना निशाना बना लें, इसमें कोई संदेह वाली बात नहीं। शहर में कुत्तों का आतंक लगातार जारी है। तीन दिन पहले ही एक पागल कुत्ते ने चास प्रखंड स्थित नारायणपुर के तीन लोगों को काटकर बुरी तरह घायल कर दिया।

सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से जख्मी 65 वर्षीय हरि बाउरी की स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया था, लेकिन परिवार के लोगों ने चास के ही एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। बाकी अन्य दो घायलों 36 वर्षीय जितेन बाउरी और 48 वर्षीय जगु बाउरी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार अहले सुबह तीनों एक साथ मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। तीनों पुराना पत्थर खदान की ओर जा रहे थे, इसी दौरान एक पागल आवारा कुत्ता अचानक ही उनपर हमला कर दिया।

कुत्ते ने एक व्यक्ति पर हमला किया तो उसे छुड़ाने पहुंचे दूसरे व्यक्ति पर भी कुत्ते ने हमला कर दिया। ऐसे कर कुत्ते ने तीनों पर हमला किया। इसी दौरान यह देखकर आसपास के लोग हल्ला करते हुए दौड़े तो कुत्ता भाग गया। घटना से ग्रामीण भयभीत व डरे हुए हैं।

बता दें कि शहर में कई स्थानों पर अक्सर आवारा कुत्तों के झुंडों को बैठे देखा जा सकता है। आलम यह है कि आवारा कुत्तों से परेशान होकर लोग सुबह व देर रात को घरों से निकलने से भी कतराने लगे हैं। आवारा कुत्ते अक्सर आने-जाने वाले लोगों पर झपट पड़ते हैं। कई बार ये आवारा कुत्ते एक दूसरे कुत्ते से लड़ते-लड़ते बीच सड़क में भी आ जाते हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालकों का इनमें उलझकर गिरने का खतरा बना रहता है। कई बार ये लोगों की बाइक या कार के पीछे भागते हैं। इस सबके बावजूद प्रशासन इन कुत्तों की समस्या से निजात दिलाने के लिए कोई विशेष कदम नहीं उठा रहा।

यूं तो कुत्ते को सबसे वफादार जानवर माना जाता है, लेकिन अगर यह वफादारी भूल जाए तो जानलेवा हो सकता है। शहर के अंदर ऐसी कोई गली और मोहल्ला नहीं जहां आवारा कुत्तों का आतंक न हो। शाम ढलने के बाद शहर के गली-मोहल्लों में पैदल या दुपहिया पर निकलना खतरे से खाली नहीं। दोपहर में भी ये कुत्ते बच्चों को निशाना बनाने से नहीं चूकते। कई बार इसे लेकर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया गया, पर हुआ कुछ भी नहीं।

हफ्ते की हलचल

धर्म के मार्ग से ही भारत बनेगा विश्वविजेता : धर्मवीर

बोकारो : सेक्टर 6 टीवी टावर सांगजोरी बस्ती में अवस्थित श्री श्री कल्याणेश्वर नाथ शिव मंदिर एवं दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर प्रांगण में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और राम जी, लक्ष्मण जी एवं सीता माता के भव्य मूर्ति

प्राण प्रतिष्ठा हेतु विधिवत पूजन कार्य प्रारंभ हो गया है। इसी निमित्त शनिवार को कलश जलयात्रा का नगर भ्रमण का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर से चलकर सेक्टर 6 गरगा नदी से विधिवत पूजा अर्चना कर कलश में जल लेकर सैकड़ों महिलाएं पुनः मंदिर में पहुंचीं। इस अवसर पर बोकारो के सामाजिक कार्यकर्ता एवं नेता धर्मवीर सिंह उपस्थित ने कहा कि धर्म की सदैव जय होता है और अधर्म का नाश। धर्म के मार्ग पर चलकर ही भारत विश्व विजेता बन सकता है। पूजा अर्चना का काम आचार्य संजय शास्त्री एवं पुजारी बिनोद शास्त्री के द्वारा किया गया। मौके पर मुख्य यजमान शर्माजी, अविनाश कुमार, विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

बोकारो में अकीदत के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर

बोकारो : क्या बड़ा, क्या छोटा, कौन हिन्दू, कौन, मुस्लिम और कौन सिक्ख, बोकारो में सबों ने मिलकर धूमधाम से ईद उल फितर का त्यौहार मनाया। जाति-धर्म, ऊंच-नीच का भेद और सारे गिले-शिकवे भुलाकर सबों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सुबह से ही बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में स्थित मस्जिदों और ईदगाहों में सजे-धजे युवा, बुजुर्ग और बच्चों की भीड़ लगनी शुरू हो गयी। तमाम मस्जिदों में नमाजियों का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरी अकीदत के साथ मस्जिदों और ईदगाहों में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने ईद की नमाज अदा की। इसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। चांद दिखने के बाद पूर्व से निर्धारित समय के अनुसार उकरीद, सिवनडीह, डुमरो, आजाद नगर, हैसाबातू, मखदुमपुर, इस्लामपुर, मिल्लत नगर, सिजुआ, झोपरो, बालीडीह, भर्रा, अंसारी मुहल्ला, सुल्तान नगर, गौस नगर, चास, न्यू पिंड़रगोडिया, सोलागीडीह, करमागोड़ा, पिपराटांड़, महेशपुर, धनधरी, पंचौरा, रामडीह, वास्तेजी, आगरडीह, रजा नगर, मोहनडीह, जाला, घटियाली, सोनाबाद आदि मुस्लिम बहुल्य इलाकों में ईद की नमाज अदा की गई। छोटे-छोटे नन्हें रोजेदारों द्वारा नमाज की अदायगी खास व देखने लायक बनी रही। इस मौके पर लोगों ने अपने घरों में मीठी सेवईं और तरह-तरह के पकवानों का भी आनंद लिया तथा इन्हें दोस्तों, परिजनों और सगे-संबंधियों में बांटा।

डीपीएस चास के विद्यार्थियों का स्पॉट 100 फाइनल में उम्दा प्रदर्शन

बोकारो : डीपीएस चास के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक बार फिर विद्यालय तथा शहर का नाम गौरवान्वित किया है। विक्रम साराभाई विज्ञान फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित स्पॉट 100 फाइनल 2023-24 परीक्षा में इस विद्यालय की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा अदिति शुभम व कक्षा चतुर्थ के अनिरुद्ध मंडल ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार सफलता प्राप्त की है। वे राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ 100 विद्यार्थियों की मेरिट लिस्ट में अपनी जगह पक्की करने में कामयाब रहे। विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने दोनों सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे और जुनियर विंग की प्रधानाध्यापिका सुदेशना सिन्हा ने भी बच्चों की इस सफलता पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक सफलता हासिल करने हेतु प्रेरित किया।

हंगामे की भेंट चढ़ गई सरहुल की खुशियां

बोकारो : सरहुल पर्व के दौरान बीते बालीडीह की शिवपुरी कॉलोनी में दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने गोली चला दी। फायरिंग होने से इलाके में दहशत फैल

गया और इस हंगामे में सरहुल की खुशियां भेंट चढ़ गईं। मामले की सूचना मिलते ही बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश के निर्देश पर रात में ही एक एसआईटी का गठन किया गया। मामले में एक युवक को हिरासत में लिया गया। अगले दिन नीलम मिंज की ओर से बालीडीह थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले में शिवपुरी कॉलोनी के ही विशाल कुमार, शुभम कुमार, शिवम कुमार सहित तीन अन्य को आरोपी बनाया गया है। एसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी खबर लिखे जाने तक मामले की जांच में जुटी थी।

सियासत ने बिगाड़ी रियासत... सोरेन परिवार में दरार, झामुमो की एकजुटता भी तार-तार

विशेष संवाददाता

रांची : राजनीति भी बड़ी अजीब चीज होती है। सत्ता सुख की खातिर कब कौन से हालात आ जाएं, कहना मुश्किल है। लेकिन, सियासत परिवार में टूट का कारण बन जाए और खून के रिश्ते एक-दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल दे, तो इसे विडंबना ही कहेंगे। झारखंड अलग राज्य में केंद्रीय भूमिका निभाने वाली राजनीतिक पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और इसके संस्थापक शिबू सोरेन के परिवार में आज यही स्थिति है। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा क्या हुई, सियासत ने इस परिवार की एकजुटता में ऐसी दरार डाल दी कि जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। सोरेन परिवार की दो बहुएं सीता सोरेन और कल्पना सोरेन अब आमने-सामने हैं। वहीं, झामुमो में अंदरुनी बिखराव भी लोबिन हेंब्रम की बगावत से सामने आ गई है।

बगावत... लोबिन ने बनाया चुनाव को दिलचस्प

साहिबगंज जिला के बोरियो से झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम ने राजमहल लोकसभा चुनाव को दिलचस्प बना दिया है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के खिलाफ बगावत कर दी है। लोबिन ने राजमहल से झामुमो प्रत्याशी विजय हांसदा के खिलाफ बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने दावा किया है कि इस चुनाव में उनकी जीत भी होगी. उन्होंने झामुमो और हेमंत सोरेन पर जमकर भड़ास भी निकाली। लोबिन ने कहा कि जब दुर्गा सोरेन के नहीं रहने पर सत्ता हेमंत सोरेन को मिली तो उस हिसाब से आज बसंत सोरेन को मुख्यमंत्री होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पार्टी के कई लोगों ने टिकट के लिए कल्पना सोरेन से मिलने की सलाह दी, लेकिन मैं कल्पना सोरेन से क्यों मिलूं? वह पार्टी में क्या हैं? लोबिन ने दावा किया कि उनकी बसंत सोरेन से मुलाकात हुई थी। बसंत सोरेन भी विजय हांसदा को टिकट देने के पक्ष में नहीं थे। अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में लोबिन ने कहा कि उन्होंने न सिर्फ राजमहल सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की, बल्कि हेमंत सोरेन, कल्पना सोरेन से लेकर पार्टी के अन्य बड़े नेताओं पर जमकर भड़ास निकाली। लोबिन हेंब्रम ने कहा कि झामुमो की कार्यकारिणी की बैठक में जब उन्होंने लोकसभा सीट पर चर्चा करनी शुरू की तब मुद्दे ही बदल दिए गए। उन्होंने कहा कि बसंत सोरेन से भी बात की थी, उन्होंने भी माना कि विजय हांसदा की स्थिति राजमहल में ठीक नहीं है। ऐसे में जनता के आह्वान पर मैं निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा और जीत दर्ज करूंगा। लोबिन ने कहा - मैं बागी नहीं हूं, बागी तो झामुमो है जो जनता के विश्वास के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि हम तो हमेशा झामुमो, शिबू सोरेन की नीतियों पर चलने का काम किया। जिनलोगों ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई, उन्होंने माटी से गद्दारी की है।

कहा- बसंत को मिलनी चाहिए थी विरासत

झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने कहा कि वह राजमहल सीट को लेकर स्टीफन मरांडी, मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन, नलिन सोरेन सबसे बात की लेकिन पार्टी के कुछ लोगों ने कहा कि कल्पना सोरेन से मिल लीजिए। लोबिन ने कहा कि मैं कल्पना सोरेन से क्यों मिलूं, वह पार्टी में क्या है?

लोबिन हेंब्रम ने कहा कि दुर्गा सोरेन के नहीं रहने पर जब शिबू सोरेन की विरासत हेमंत सोरेन को मिली तो ऐसे में जब आज हेमंत सोरेन जेल में हैं तो फिर उस हिसाब बसंत सोरेन को मुख्यमंत्री बनना चाहिए था। लोबिन हेम्ब्रम ने कहा कि सीता सोरेन परिवार की बड़ी बहू थीं, उनका भी हक था ऐसे में उन्हें समझा कर साथ क्यों नहीं रखा गया?

झामुमो अब बिचौलियों की पार्टी : सीता

सीता सोरेन का कहना है कि झामुमो को अपने खून-पसीने से सींचने वाले झामुमो के कद्दावर नेता उनके पति स्व. दुर्गा सोरेन का अपमान उन्हें कतई बर्दाश्त नहीं। उन्होंने स्व दुर्गा सोरेन की मौत को संदेहास्पद बताते हुए उसकी उच्चस्तरीय जांच की मांग की। कहा कि उन्होंने परिवार में कई बार इस बात को उठाया, लेकिन इसे अनसुना कर दिया गया। मैंने परिवार में दर्द और पीड़ा सहते हुए अपनी बच्चियों का लालन-पालन किया है। झामुमो अब स्व दुर्गा सोरेन के जमाने की पार्टी नहीं रही, यह अब दलाल और बिचौलियों की पार्टी बनकर रह गई है। जिलों में भी केवल दलाल और बिचौलिए ही पार्टी पर हावी हैं झामुमो में महिलाओं का सम्मान नहीं है। वे लगातार पार्टी और परिवार में अपमानित महसूस कर रही थी, इसलिए बड़ा राजनीतिक फैसला लिया। सीता ने कहा- मैं बार-बार कहती रहीं कि मेरे पति दुर्गा सोरेन अपने पिता शिबू सोरेन के वास्तविक उत्तराधिकारी थे। लिहाजा, अब यह मेरा उनका है। बता दें कि सीता सोरेन ने बीते 19 मार्च को झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की प्राथमिक सदस्यता और विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने शिबू सोरेन को पत्र लिखकर अपने इस्तीफे की सूचना दी और आरोप लगाया कि उन्हें परिवार और पार्टी में पिछले 15 साल से उपेक्षा झेलनी पड़ी है। अब वे इस परिवार से अलग हो रही हैं।

इधर, निशिकांत का दावा- बसंत भी छोड़ देंगे झामुमो

इस बीच गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा करते हुए कहा है कि मंत्री और झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन के बेटे बसंत सोरेन जल्द ही पार्टी छोड़ देंगे। आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के एक मामले में दुमका के एमपी-एमएलए की विशेष अदालत में पेश होने को शनिवार को दुमका पहुंचे थे। इसी दौरान मीडिया से सवाल जवाब के दौरान बड़ा दावा करते हुए कहा कि शिबू सोरेन की विरासत को बचाने के लिए उनके छोटे पुत्र बसंत सोरेन जून-जुलाई तक झामुमो छोड़ देंगे। यह भी दावा किया कि वर्ष 2025 आते-आते झामुमो कई टुकड़ों में बंट जायेगा। कोई झामुमो सोरेन बनेगा, तो कोई झामुमो चंपाई तो कोई झामुमो मथुरा गुट बनायेगा। झामुमो का सिंबल भी जब्त हो जायेगा। निशिकांत ने भविष्यवाणी करते कहा कि कल्पना सोरेन के सीएम बनने के बाद जो पहला आदमी सोरेन परिवार से निकलने वाला है, वह भाई बसंत है। वह कभी भी आंदोलनकारी को छोड़ कर अपने पिता की विरासत को भाभी को नहीं सौंप सकते हैं। ऐसे में अगले दो-तीन माह में वे पार्टी छोड़ देंगे।

'बीजेपी सरकार कराएगी दुर्गा की मौत की सीबीआई जांच'

एक सवाल के जवाब में निशिकांत ने कहा कि वर्ष 2009 से ही वे दुर्गा सोरेन की मौत की जांच की मांग कर रहे हैं। किसी भी व्यक्ति की अस्वाभाविक मौत होती है तो बगैर पोस्टमार्टम के शव कैसे जला दिया गया। 16 तारीख तक वे स्वस्थ थे. चुनाव परिणाम आने पर दुर्गा सोरेन ने उन्हें बधाई दी। शाम में बोकारो में किसी शादी समारोह में शिरकत करने वाले थे। लोग उनका इंतजार करते रहे लेकिन वे नहीं पहुंचे। एक स्वस्थ व्यक्ति की अचानक मौत कैसे हो सकती है। शव का पोस्टमार्टम होना चाहिए था जो नहीं हुआ, इसलिए इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए। जब बीजेपी की सरकार बनेगी तो निश्चित रूप से इस मामले की सीबीआई जांच करायी जायेगी।

बेनीपट्टी में दम तोड़ रही सरकार की नल-जल योजना

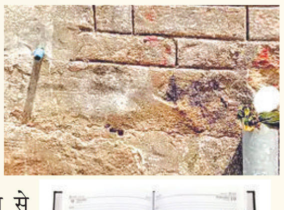

मिथिला डायरी

मधुबनी : सुशासन बाबू की नल-जल योजना की खस्ताहाली दूर होने का नाम नहीं ले रही। मिथिलांचल के तकरीबन हर इलाके में यह योजना महज लूट-खसोट का ही जरिया बनकर रह गई और आमलोगों को कोई भी लाभ नहीं मिल सका है। पाइप और नल महज शोभा की वस्तु बन लोगों को चिढ़ाने से ज्यादा और कुछ काम के नहीं रह गए हैं। इसी कड़ी में जिले के बेनीपट्टी प्रखंड में भी यह योजना दम तोड़ रही है। कुल 31 पंचायतों वाले बेनीपट्टी प्रखंड एवं बेनीपट्टी नगर पंचायत क्षेत्र में हर घर नल का जल योजना का हाल बेहाल है। एक भी वार्ड में सही रूप से लोगों के घरों में पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। कहीं पाइपलाइन खराब हो चुकी है, तो कहीं मोटर खराब हैं। वार्डों के लोगों ने बताया कि पिछले कई महीनों से नल जल योजना से पानी का एक बूंद भी बाहर नहीं टपका है। इस पंचायत के वार्ड संख्या 1 में मात्र तकरीबन 150 घरों में ही कनेक्शन हुआ है। इस वार्ड के शेष बचे घरों में कनेक्शन नहीं हुआ है तथा अनेकों जगह पाइप क्षतिग्रस्त है।

वैश्विक मानचित्र पर स्थापित होगा सीतामढ़ी : देवेशचंद्र

संवाददाता

सीतामढ़ी : लोकसभा चुनाव 2024 में अपनी जीत सुनिश्चित करने को लेकर सीतामढ़ी से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर अपने समर्थकों के साथ लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि 'मैं जो कहता हूं, वह करके दिखाता हूं। मैं आप लोगों के विश्वास को नहीं तोडूंगा। मैं जो कहता हूं वह करता हूं। मैंने अभी तक विकास का काम किया है। आगे भी करता रहूंगा।' उन्होंने कहा कि 'मैं किसी को फंसाने का काम नहीं करता, बचाने का काम करता हूं। सीतामढ़ी के विकास को लेकर मुझे जो भी करना होगा, वह करूंगा।' उन्होंने जनता के सहयोग से अपनी जीत की पूरी उम्मीद जताते हुए कहा कि 'मैं जगत जननी मां जानकारी की जन्मभूमि सीतामढ़ी को पर्यटक स्थल के रूप में विश्व के मानचित्र पर स्थापित कर के रहूंगा।' श्री ठाकुर ने कहा कि बिहार में जात पात एक कोढ़ है। मैं जात पात नहीं मानता। मेरे पास जो भी आते हैं, उनका काम करता हूं। आगे भी विकास के लिए सभी का काम और जिले का विकास करता रहूंगा। उन्होंने शनिवार को पुपरी और आसपास के इलाके में सघन दौरा किया। आवापुर उतरी, बछाडपुर, गंगटी, बेलमोहन, पुपरी गांव, गाढा, यदुपट्टी, कर्पूरी चौक, टावर चौक, लोहापटटी, नागेश्वर स्थान, स्टेशन रोड, मधुबनी रोड, महारानी स्थान आदि आदि जगहों में वह लोगों से रू-ब-रू हुए और क्षेत्र की समस्याएं जानीं। इस दौरान उनके साथ मुख्य रूप से विधायक मोतीलाल प्रासाद, विधायक दिलीप राय, विधान पार्षद रेखा कुमारी, पूर्व विधायक राम नरेश यादव, गोविन्द नारायण पाठक, धर्मेंद्र पाठक, प्राणेश मिश्रा, दिनेश कुमार पप्पू, जय किशोर आदि मौजूद थे। इसके पूर्व, रून्नीसैदपुर प्रखंड के धनुषी, थुम्मा, बेलाही, नीलकंठ, महिसार बगाही, रामनगर, रैन विष्णु खड़का और अंथरी पंचायत के दर्जनों गांव का दौरा कर जनसंपर्क अभियान चलाया। मौके पर विधायक पंकज मिश्रा, विधान परिषद सदस्य रेखा कुमारी सहित दर्जनों नेता उनके साथ मौजूद थे। उन्होंने बाजपट्टी विधानसभा क्षेत्र के खड़का बसंत सहित कई गांवों का भी दौरा किया।

जीवन का अभिशाप है कुण्ठा

– गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या कुण्ठा है। इस कुण्ठा ने उसे गुस्सैल, अधीर तथा जलनशील बना दिया है।

विचारणीय प्रश्न है कि जैसे-जैसे सभ्यता विकसित हुई है, उसी अनुपात में कुण्ठा भी बढ़ी है, जबकि होना इसका विपरीत चाहिए था। आखिर क्या कारण है कि आज का मनुष्य इतना अधिक कुण्ठित है? चिंतन करने पर इसका उत्तर समझ में आता है कि वर्तमान मनुष्य की बाहरी दुनिया, उसका ब्रह्मांड उसकी आंतरिक दुनिया, उसके पिण्ड से विभक्त है। दोनों में सामंजस्य नहीं हो पा रहा है। जबकि यथार्थ यह है कि आंतरिक दुनिया बाह्य दुनिया में प्रतिबिंबित होता है।
जैसा हमारा आंतरिक वातावरण होता है, वैसा ही हम बाहरी दुनिया को बना देते हैं। एक उदाहरण से इसे स्पष्ट किया जा सकता है। यदि किसी दिन आपके अफसर का मूड खराब हो तो उस दिन पूरा ऑफिस थोड़ा सहमा हुआ रहता है, क्योंकि वह अधिकारी किसी भी बात पर बिना कारण का क्रोधित हो सकते हैं। शीघ्रता से क्रोधित होने वाले व्यक्ति के आसपास डरे हुए, निष्क्रिय लोगों की भीड़ जमा होती है। पर, वह डरे हुए लोग निष्क्रिय क्रोधी हैं, मौका लगेगा कि अपना क्रोध दूसरे पर उतार देंगे। इस कारण कुण्ठा बेरोक टोक बढ़ रही है तथा हर व्यक्ति, समाज और देश इसका भुगतान करने के लिए बाध्य है।
जैसे हम अंदर हैं, वैसी ही बाह्य दुनिया बना देते हैं। निदान तो अंदर है, हमेशा से हमारे अंदर ही रहा है। बस, हमें इस बात का ज्ञान नहीं है।
शास्त्र में माना गया है कि जो ब्रह्मांड में है, वही शरीर में है। अर्थात बाहर की दुनिया अंदर की दुनिया से भिन्न नहीं है। क्योंकि, देवता या ऋषि, कोई भी बाहर अवस्थित नहीं हैं, बल्कि अंदर ही स्थित हैं। यह विचारधारा यजुर्वेद में कुछ इस प्रकार से आया है-

सप्त ऋषयः प्रतिहताः शरीरे सप्त रक्षन्ति सदम प्रमादम्
सप्तापः स्वपतो लोकभीयुस्तत्र जागृतो अस्वप्नजौ
सत्रसदौच देवौ

यजुर्वेद के अनुसार इस शरीर में सात ऋषि अवस्थित हैं, जो निरंतर इसकी रक्षा कर रहे हैं। सुप्त अवस्था में ये सातों शरीर में व्याप्त ऋषि जीवात्मा को प्राप्त हो जाते हैं। लेकिन जो देव हैं, जो सपने से परे हैं, सदैव जागृत रहते हैं, प्राण तथा अपान।
सात ऋषि हैं- पांच ज्ञानेंद्रिय, छठ मन तथा सातवां बुद्धि तत्व है।
इस श्लोक में ऋषि का अर्थ एक जीवित जागृत व्यक्ति नहीं, बल्कि तर्कशक्ति है, प्राण शक्ति है। समस्त जगत प्राण शक्ति से ओतप्रोत है। इसलिए इंद्रियों एवं मन में ऋषि तत्वों की स्थापना का यजुर्वेद में वर्णन किया गया है।
वह कौन से ऋषि हैं, जो हमारे मन में स्थापित हैं?
वशिष्ठ शब्द में वश है। जो सबको वश में रखे, वे वशिष्ठ हैं। मानव शरीर में प्राण ऐसा तत्व है, जो सबको अपने वश में कर देता है। प्राण का पूरे शरीर पर नियंत्रण होता है, प्राण चल दे, तब शरीर का क्या मूल्य?

भारद्वाज का अर्थ बल को भरना है। मन की दिव्य शक्ति को बल से ही भरा जा सकता है और यह भरना भारद्वाज हैं। यदि मन निर्बल है तो शरीर कमजोर हो जाता है। निरुत्साहित व्यक्ति चाहे कितना भी वशिष्ठ अर्थात प्राणवान हो, वह कुछ नहीं कर सकता है।

जमदग्नि का अर्थ तेजयुक्त अग्नि तथा प्रकाश है। इस अर्थ से जमदग्नि ऋषि की आंखों में दिव्य, तेजोमय शक्ति स्थापित है। प्रकाश या अग्नि रहित नेत्र कुछ नहीं कर सकता है। नेत्र तो इस प्रकार तेजवान हो कि अभद्र काम को देखते ही नष्ट कर दें तथा **भद्रं पश्येम...** सार्थक हो जाए। इसलिए नेत्रों को तेज एवं दीप्ति युक्त रखने के लिए जमदग्नि ऋषि की आवश्यकता है।

विश्वामित्र ऋषि द्वारा श्रोत्र शक्ति को प्राप्त करना है। श्रोत्र अर्थात कानों की शक्ति। विश्वामित्र का तात्पर्य है, सबका मित्र। यदि आपके कानों में विश्वामित्र की शक्ति है तो आप किसी के निंदा श्रवण में तत्पर नहीं होंगे। अर्थात **भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम्...** सदा कल्याणकारी शब्दों को सुनने का पालन होगा।

विश्वकर्मा ऋषि वाणी में स्थापित हो जाएं तो सार संसार आपके पक्ष में हो जाएगा। उसके सभी काम सिद्ध हो जाएंगे। विश्वकर्मा का तात्पर्य है, जो सभी कामों को कुशलता एवं सौंदर्य से निर्मित करता है। सोचने का विषय है कि विश्वकर्मा का निवास हाथों में हो तो श्रेष्ठ है, वाणी में क्यों?
ऋषि तर्क अथवा चिंतन को शक्ति कहते हैं। किसी भी रचना में पहले मन सक्रिय होता है, फिर बुद्धि, तब वाणी, उसके बाद हाथ। पहले काम को करने का मन बनाया जाता है, उसके बाद बुद्धि उसको करने के विषय में नीति बनाती है कि कैसे किया जाएगा। फिर वाणी उस योजना को मुखरित करती है और सबसे अंत में शरीर उसे क्रियान्वित करता है। किसी भी रचना में यदि अंत क्रिया पर होता है तो आरंभ हमेशा मन में होता है। मन हमारी भावनाओं का नियंता है।
शायद इसी कारण से ब्रह्मा ने जब इस संसार की रचना प्रारंभ की, उन्होंने मानसिक रचना से आरंभ किया। मैथुनी या शारीरिक रचना बाद में आई।
वर्तमान समय में हमारी आंतरिक दुनिया में बहुत अधिक कोलाहल है। हमारी चिंतन शक्ति सुन्न पड़ गई है, जिस कारण हमारे जीवन में कुण्ठा और क्रोध बढ़ता जा रहा है। यदि इनसे मुक्ति पाना है तो उपाय बस चिंतन में है, चिंता में नहीं। क्योंकि चिंतन में ऋषि का वास है। ऋषि ही स्वयं चिंतन की शक्ति हैं। चिंतन शक्ति के जागृत होने पर मनुष्य अपनी अंतरात्मा की यात्रा पर चल देता है, जहां पर उसे उन सभी अनकहे और अनुत्तरित प्रश्नों के उत्तर मिल जाते हैं। **(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)**

बदलते मौसम में ऐसे करें अपनी त्वचा की देखभाल

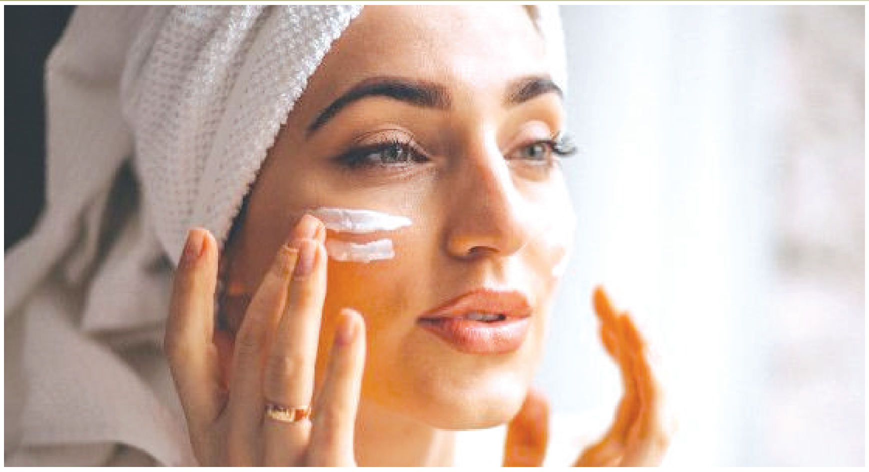

बदलते मौसम में स्किन केयर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं जो आपकी स्किन को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं-

ह्युमिडिफायर का उपयोग करें: मौसम के बदलाव में आपकी त्वचा ड्राई हो सकती है, इसलिए आप एक ह्युमिडिफायर का उपयोग कर सकते हैं ताकि आपकी त्वचा में नमी बनी रहे।

हेल्थी डाइटः सही और पोषणयुक्त आहार लेना आपकी त्वचा के लिए महत्वपूर्ण है। फल, सब्जियां, अनाज और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

अपने त्वचा को मोइस्चराइज करें: बारिश और ठंड के मौसम में, अपनी त्वचा को नमीयता प्रदान करने के लिए मोइस्चराइजर का उपयोग करें।

सूर्य की रोशनी से बचें: सूर्य की क्रूर किरणों से अपनी त्वचा को बचाने के लिए धूप में जाने से पहले सूर्य की रोशनी से बचने के लिए सूर्य क्रीम का उपयोग करें।

हर्बल फेस पैकः घर पर नीम, हल्दी, मलाई, आलू, आदि का उपयोग करके हर्बल फेस पैक बनाएं, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करेगा।

हर्बल टी का सेवनः हर्बल टी में नींबू, तुलसी, गुड़मार, आदि का सेवन करें, जो आपकी त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

ब्यूटी स्लीपः प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लेना आपकी त्वचा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे आपकी त्वचा को रिस्ट मिलेगी और वह नमी बनाए रखेगी।
इन उपायों का पालन करके आप अपनी त्वचा को बदलते मौसम में स्वस्थ और चमकदार बनाए रख सकते हैं। लेकिन यदि आपकी स्किन की समस्या गंभीर है, तो स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श करना सही होगा।

– प्रस्तुति : शशि

महाशक्ति : स्त्री शक्ति- आइए करें नवरूपों का आवाहन

- बी. कृष्णा नारायण -

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।

चैत्र माह के शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक का दिन दैवीय शक्ति के आह्वान का दिन होता है। विधि-विधान से सुबह और शाम पूजा, नवदुर्गा का आवाहन, सप्तशती का पाठ, अखंड ज्योति, हवन आदि के द्वारा शक्ति साधना की जाती है। ये सब क्यों किये जाते हैं यदि इसका ज्ञान न हो तो ये सब आग विहीन ईंधन ही साबित होंगे। इनमें निहित गूढ़ार्थ को समझकर ही हम सब स्वयं की शक्ति का जागरण कर सकते हैं। भारतीय सनातनी ज्ञान परंपरा के तहत किसी भी कार्य के सिद्ध होने में तीन बातों पर बहुत बल दिया गया है और वह है इच्छति, जानाति, करोति। इसके अनुसार ज्ञान से इच्छा एवं इच्छा से ही कर्म होते हैं।

इच्छति, जानाति, करोति का ज्ञानशक्ति हमें मिलता है श्री लक्ष्मी (इच्छाशक्ति), श्री सरस्वती (ज्ञानशक्ति), श्री महाकाली (क्रियाशक्ति) से मां लक्ष्मी के बारे में जानते हुए हम सब दुर्गा के ९ रूपों के बारे में जानेंगे।

मां लक्ष्मी - आज ज्यादातर लोग यह समझते हैं कि लक्ष्मी का अर्थ है धन की देवी। हमने इन्हें बहुत ही संकुचित कर दिया।

'लक्ष्यते इति लक्ष्मी'

लक्ष्मी शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की लक्ष धातु से हुई है।

लक्ष का शाब्दिक अर्थ है - लक्ष्य

अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जब हम ध्यानपूर्वक निरीक्षण करते हुए एकाग्रचित्त होकर कार्य या साधना करते हैं तो लक्ष्य की प्राप्ति में हमारी मार्गदर्शिका होती है, लक्ष्य प्राप्त करने में सहायिका होती हैं, उसे लक्ष्मी कहते हैं।

एक बार हमने जब अपने इच्छित लक्ष्य की प्राप्ति कर ली तो हमने सौभाग्य के साथ साथ हर प्रकार के धन की प्राप्ति कर ली।

अब क्रम से चलते हैं नव रूप की यात्रा (शिशु कन्या से लेकर परिपक्व सिद्धिदात्री) पर और जानते हैं कि वर्तमान समय में दुर्गा के ९ रूप की आराधना, शक्ति प्राप्त करने के लिए क्यों आवश्यक है।

1. मां शैलपुत्री- छोटी बच्ची हैं। शैल- पर्वत पुत्री हैं। सुदृढ़ हैं लेकिन ग्राउंडेड हैं। हम चाहे कितना भी बल क्यों न प्राप्त कर लें पर जमीन से हमारा जुड़ाव बना रहे यह शक्ति हमें माँ शैलपुत्री से प्राप्त हो।

2. मां ब्रह्मचारिणी- एक छात्रा हैं जो अपने इच्छित की प्राप्ति के लिए 'तपस्या' करती है 'तपस्या' अर्थात दृढ निश्चय एवं समर्पण के साथ कठिन परिश्रम करती हैं। इन्होने अपना सारा ध्यान अपने लक्ष्य पर केंद्रित करके अपनी समस्त ऊर्जा को निरंतर तैलवत धारा के सामान अपने लक्ष्य की ओर प्रवाहित कर दिया। नारद ने दिशा दी और ये बढ़ गईं। दृढ निश्चय, समर्पण और कठिन परिश्रम करने की शक्ति हमें माँ ब्रह्मचारिणी से प्राप्त हो।

3. मां चंद्रघंटा- दृढ निश्चयी होकर पूर्ण समर्पित भाव से किये गए कठिन परिश्रम से इन्होने अपने इच्छित 'शिव' को पा लिया है। शिव का चाँद अब इनके माथे पर शोभायमान है। पति का आभूषण स्वयं के भाल पर सजाकर ये उच्छृंखल नहीं हुई हैं, बल्कि शांत और संयमित हैं। हर अवस्था में हम शांत और संयमित रहें, यह शक्ति हमें माँ चंद्रघंटा से प्राप्त हो।

4. मां कूष्माण्डा- इनसे ही ब्रह्माण्ड, ग्रह, नक्षत्र आदि सृजित हुए। एक गर्भवती महिला के रूप में इन्हें जाना जा सकता है। ब्रह्माण्ड सृजन की शक्ति होने का बावजूद इनमें उस बात का दम्भ नहीं है। भावनात्मक और मानसिक रूप से शक्तिशाली हैं। सर्जन की शक्ति, भावनात्मक, मानसिक स्थिरता की शक्ति हमें मां कूष्माण्डा से प्राप्त हो? किसी प्रकार का दंभ न आए।

5. माँ स्कंदमाता- गर्भस्थ शिशु अब अंक में है। एक हाथ में बच्चा संभालते हुए उसी हाथ से ताड़कासुर का वध करती हैं। भावनात्मक रूप से मजबूत, बुद्धिमान और बहुकार्य में दक्ष हैं। भावनात्मक मजबूती, बहुकार्य करने की क्षमता और बुद्धिमानी- यह शक्ति हमें माँ स्कंदमाता से प्राप्त हों।

6. माँ कात्यायिनी - बढ़ती उम्र में भी इनकी शक्ति क्षीण नहीं होती है। महिषासुर का वध करती हैं। स्वयं की निजशक्ति की पहचान रहे, हम निडर और निर्भय हों- यह शक्ति हमें माँ कात्यायिनी से प्राप्त हो।

7. मां कालरात्रि - शुभंकरी के रूप में रक्तबीज का समूल नाश करती हैं। ऐसा करने में इन्हे किसी प्रकार का भय नहीं होता। अभयता और जोखिम उठाने की शक्ति और नकारात्मक एवं विध्वंसक ताकतों का समूल नाश करने की शक्ति हमें माँ कालरात्रि से प्राप्त हो।

8. मां महागौरी- सिंहवाहिनी मां गौरी पति के वृषभ की सवारी नहीं, अब इनके पास स्वयं की सवारी आ गयी है। इसे इन्होनें अपने सामर्थ्य से अर्जित किया है। एक विवाहित महिला का यह वैयक्तिक विकास है, परन्तु इसके पश्चात इनमें कोई दंभ नहीं आता, पति के साथ कोई बड़ापन का भाव नहीं आता। शांत, संयमित और वैयक्तिक मौलिकता यह शक्ति हमें माँ महागौरी से प्राप्त हो।

9. मां सिद्धिदात्री- स्वयं को साबित करके कुछ भी हासिल कर लो यह मूल मन्त्र देती हैं माँ सिद्धिदात्री। शिव को जब सिद्धि देती हैं तब उनके आधे अंग में स्थान पाती हैं। स्वयं को पूर्णता में साबित करने की शक्ति हमें माँ सिद्धिदात्री से प्राप्त हो।

नवमी को हवन कर ९ कन्याओं का पूजन करके नवसृजन का आरम्भ किया जाता है। शक्ति से ही सृष्टि सृजित है।

इस नवरात्र हम सब अपने अपने घरों में स्वस्तिक बनाएं और स्वस्ति वाचन करें। दसों दिशाओं से आने वाले शुभ और सकारात्मक ऊर्जा हमें अपना आशीर्वाद दें। हमें ऊर्जावान और शक्तिवान बनाएं। नवीनता प्रदान करें हमें जागृत करें। जागृत रहेंगे तो अंधकार डरेंगे नहीं

आइए, इस नवरात्र में मां के नवों रूप का आवाहन करें। इन्हे जागृत करें और इनसे आशीर्वाद प्राप्त कर स्वयं में निहित शक्ति को जागृत करके माँ के साथ एकात्म स्थापित करें।

(लेखिका ज्योतिषी, योग और अध्यात्मिक चिंतक हैं।)

'सावरकर' बनने के लिए 92 से 60 किलो के हो गए रणदीप

'स्वातंत्र्य वीर सावरकर'। यह फिल्म और इसके लिए रणदीप हुडा इन दिनों लगातार सुर्खियों में हैं। वजह भी है। इस फिल्म को अंजाम तक पहुंचाने के लिए उन्हें बहुत ज्यादा संघर्ष करना पड़ा।

वीर सावरकर के रोल में ढलने के लिए उन्होंने 32 किलो वजन कम किया था। रणदीप का कहना है कि जब उन्होंने इस फिल्म के लिए तैयारी शुरू की थी तब वह 92 किलो के थे और ट्रांसफॉर्मेशन के बाद उनका वजन 60 किलो हो गया। एक साक्षात्कार में रणदीप ने कहा कि इस फिल्म की मेकिंग के दौरान उन्हें मुंबई स्थित अपनी प्रॉपर्टी तक बेचनी पड़ी। एक वक्त ऐसा भी आया कि फिल्म बंद करने की नौबत आ गई। लेकिन उन्होंने अपनी सूझबूझ से ऐसा होने नहीं दिया। 2018 में वे फिल्म बैटल ऑफ सारागढ़ी में कास्ट हुए थे, लेकिन वो बन न सकी। इस कारण वे डिप्रेशन में चले गए। इस वक्त परिवार वालों को डर बना रहता था कि वे कहीं खुद के साथ कुछ गलत ना कर लें।

रणदीप कहते हैं कि फिल्म को जिस तरह का प्यार मिल रहा है, इसे देख वह बहुत गदगद महसूस कर रहे हैं। रिलीज के इतने दिनों पर बाद भी लोग फिल्म के लिए तालियां बजा रहे हैं। बतौर फिल्ममेकर यह मेरी लिए बहुत बड़ी जीत है और यह उनके संघर्ष की पीड़ा को कम करने के लिए काफी है। रणदीप ने कहा- जब यह कहानी मेरे पास आई तब मुझे वीर सावरकर जी के बारे में अधिक जानकारी नहीं थी, लेकिन जब मैंने उनके बारे में पढ़ा तब पता चला कि ऐसे नेक इंसान के साथ इतना अन्याय हुआ है। फिर मैं यह ढूंढने लगा कि उनके साथ इतना गलत क्यों हुआ। सब कुछ जानने के बाद मैंने इसको खुद की जिम्मेदारी मान ली और ठान लिया कि जन-जन तक सावरकर जी की सच्चाई बताकर रहूंगा।

20 दिन में 22 करोड़ की कमाई

वीर सावरकर के जीवन पर आधारित फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' को रिलीज हुए 12 अप्रैल को 20 दिन हो गए। यह फिल्म 22 मार्च को हिंदी और मराठी भाषा में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने 20 दिनों में बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है। फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' से रणदीप हुडा ने निर्देशन में डेब्यू किया है। फिल्म में उन्होंने वीर सावरकर की मुख्य भूमिका भी निभाई थी। इस फिल्म में अंकिता लोखंडे और अमित स्याल भी अहम भूमिका में हैं। इंडस्ट्री ट्रैकर सैक्निल्क के मुताबिक फिल्म ने पहले हफ्ते में 11.35 करोड़ रुपये, दूसरे हफ्ते में 6.4 करोड़ रुपये और तीन हफ्ते में फिल्म ने कुल 21.9 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है और वर्ल्डवाइड कलेक्शन करीब 28.80 करोड़ रुपये किया है।

पेज- 1 का शेष

धनबाद में सियासी...

उन्हें मनाने की कवायद तेज कर दी। इसी बीच जब धनबाद में मारवाड़ी समाज के प्रमुख व्यक्ति कृष्णा अग्रवाल ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को संदेश भेजकर उनसे उम्मीदवार बदलने का आग्रह किया तो विधायक ढुल्लू महतो ने कथित रूप से उन्हें फोन पर धमकी दी। इसके बाद सरयू राय ने ढुल्लू महतो के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

बढ़ी सियासी हलचल : दरअसल, लोकसभा चुनाव की आहट के पहले से ही क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर थी कि यदि वर्तमान सांसद पी एन सिंह का टिकट काटा जाएगा तो उनकी जगह सरयू राय को भाजपा धनबाद से अपनी उम्मीदवार बना सकती है। वैसे भी विधायक सरयू राय पर्यावरण संरक्षण को लेकर धनबाद, बोकारो में काफी सक्रिय रहे हैं। इस इलाके में उनके संपर्कों का दायरा बड़ा है तो शुभचिंतकों की संख्या भी खासा है। भाजपा ने जब तीन बार के विधायक ढुलू महतो को लोकसभा प्रत्याशी बनाने की घोषणा की तो सरयू राय को ढुलू के विरोधियों ने धनबाद से चुनाव लड़ने का आग्रह किया और उन्होंने ढुल्लू महतो के खिलाफ मोर्चा खोलने की शुरुआत कर दी। उन्होंने ढुल्लू को लपेटे में लेने के क्रम में कोयला नगरी के कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान के तार भी उनसे जोड़ दिए। इसे लेकर प्रिंस खान ने ऑडियो क्लिप भेजकर उन्हें धमकी भी दी। सरयू राय ने ढुल्लू के खिलाफ 50 से अधिक आपराधिक मामलों का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि ढुल्लू को अलग-अलग मामलों में जो सजाएं हुई हैं, उसे जोड़ दिया जाए तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो सकती है। इधर, ढुल्लू महतो ने जब वकालतन नोटिस भेजा तो सरयू राय ने उसे कूड़ेदान में फेंकते हुए उन्हें केस करने की चुनौती दे दी। अब धनबाद में सरयू राय की धमक ने सियासी हलचल जरूर बढ़ा दी है।

इस्पात-उत्पादन के क्षेत्र...

संभावनाओं पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया एवं इंडियन सिरेमिक सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सम्मेलन में रिफ्रैक्टरी के विशेषज्ञ, रिफ्रैक्टरी निर्माताओं तथा उपयोगकर्ता सहित 350 से अधिक डेलिगेट शामिल हुए। लगभग 40 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किये गए। उद्घाटन सत्र के उपरान्त अतिथियों ने एक तकनीकी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इसके बाद तकनीकी सत्रों के दौरान रिफ्रैक्टरी से जुड़े तकनीकी आलेखों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

प्रगाढ़ हुआ भारत-पेरू संबंध, पारस्परिक लाभ और उन्नति को ले खुलेंगे कई मार्ग

व्यापार समझौता वार्ता का 7वां दौर नई दिल्ली में संपन्न, कई विषयों पर लिए गए अहम फैसले

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारत-पेरू व्यापार समझौते के लिए सातवें दौर की वार्ता नई दिल्ली, भारत में आयोजित हुई। चर्चा में एक-दूसरे की प्राथमिकताओं और चिंताओं को समझना और यह सुनिश्चित करना शामिल था कि बातचीत आपसी सम्मान और लाभ पर आधारित हो। गौरतलब है कि पेरू लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई क्षेत्र में भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनकर उभरा है। पिछले दो दशकों में, भारत और पेरू के बीच व्यापार 2003 के 66 मिलियन डॉलर से बढ़कर 2023 में लगभग 3.68 बिलियन डॉलर हो गया है। वार्ता के तहत हुआ व्यापार समझौता, विभिन्न क्षेत्रों में भविष्य के सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे पारस्परिक लाभ और उन्नति के मार्ग खुलेंगे।

सातवें दौर की वार्ता की शुरुआत में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि भारत-पेरू राजनयिक संबंधों की शुरूआत 1960 के दशक में हुई थी। उन्होंने महामहिम सुश्री टेरेसा स्टेला मेरा गोमेज, विदेश व्यापार उप मंत्री, पेरू की भारत यात्रा और अगस्त, 2023 में 9वें सीआईआई भारत-एलएसी सम्मेलन के दौरान हुई द्विपक्षीय चचाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने वार्ता को फिर से शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री बर्थवाल ने कहा कि बातचीत का मूल सिद्धांत एक-दूसरे की ताकत को समझना और संवेदनशीलता का सम्मान करना होना चाहिए। बातचीत के तौर-तरीके उपयुक्त हितधारक परामर्शों, उद्योग जगत से मिले फीडबैक से सामने आ सकते हैं और बातचीत करने वाली टीमों को लाभकारी और खोजपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। मुख्य वातार्कार और वाणिज्य विभाग के अपर सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि दो महीने के भीतर दो दौर की बातचीत आयोजित होना ही अपने आप में दोनों देशों के बीच गहरे आर्थिक सहयोग की इच्छा का प्रमाण है। उन्होंने प्रभावी और फास्ट ट्रैक के साथ वार्ता की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत में पेरू के राजदूत महामहिम जेवियर मैनुअल पॉलिनिच वेलार्डे ने उल्लेख किया कि हाल की वाताओं ने एक मजबूत आधार के लिए जमीनी कार्य किया है। उन्होंने साझेदारी को बढ़ावा देने की दिशा में वार्ता के परिणामों पर विश्वास व्यक्त किया। भारत गणराज्य के विदेश मंत्रालय के अपर सचिव श्री जी. वी. श्रीनिवास ने वाताओं के आयोजन के अंतराल को कम करने के विचार की सराहना की। पेरू गणराज्य के विदेश व्यापार और पर्यटन मंत्रालय के तहत एशिया, ओशिनिया और अफ्रीका के निदेशक तथा पेरू के मुख्य वातार्कार गेरार्डो एंटोनियो मेजा ग्रिलो ने उल्लेख किया कि 2019 के बाद वार्ता फिर से शुरू होना महत्वपूर्ण है, जो दोनों पक्षों की प्रतिबद्धता और रुचि को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बातचीत करने वाले पक्ष आपसी समाधान तक पहुंचने के लिए लचीला और व्यावहारिक रुख अपनाएंगे।

वार्ता के इस दौर में, विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई, जिनमें वस्तुओं के व्यापार, सेवाओं में व्यापार, व्यक्तियों की आवाजाही, उत्पत्ति के नियम, स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क प्रक्रियाएं और व्यापार सुविधा, प्रारंभिक प्रावधान और सामान्य परिभाषाएं, कानूनी और संस्थागत प्रावधान, अंतिम प्रावधान, व्यापार उपाय, सामान्य और सुरक्षा अपवाद, विवाद निपटान और सहयोग इत्यादि शामिल थे। दोनों पक्षों से लगभग 60 प्रतिनिधियों ने वार्ता में भाग लिया। पेरू के प्रतिनिधिमंडल में विदेश व्यापार और पर्यटन मंत्रालय तथा विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल थे। भारतीय प्रतिनिधियों में वाणिज्य विभाग, विदेश व्यापार महानिदेशालय, राजस्व विभाग, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के अधिकारी और कानूनी और आर्थिक विशेषज्ञ शामिल थे। वार्ता के दौरान दोनों पक्षों के बीच समझौते पर पर्याप्त सहमति बनी और आकांक्षाओं और संवेदनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अगले दौर की वार्ता जून, 2024 में संभावित है। इससे पहले, वीसी पर अंतर-सत्रीय वार्ता आयोजित होगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दोनों पक्षों के अगले दौर की वार्ता से पहले लंबित मुद्दों का समाधान हो जाए।

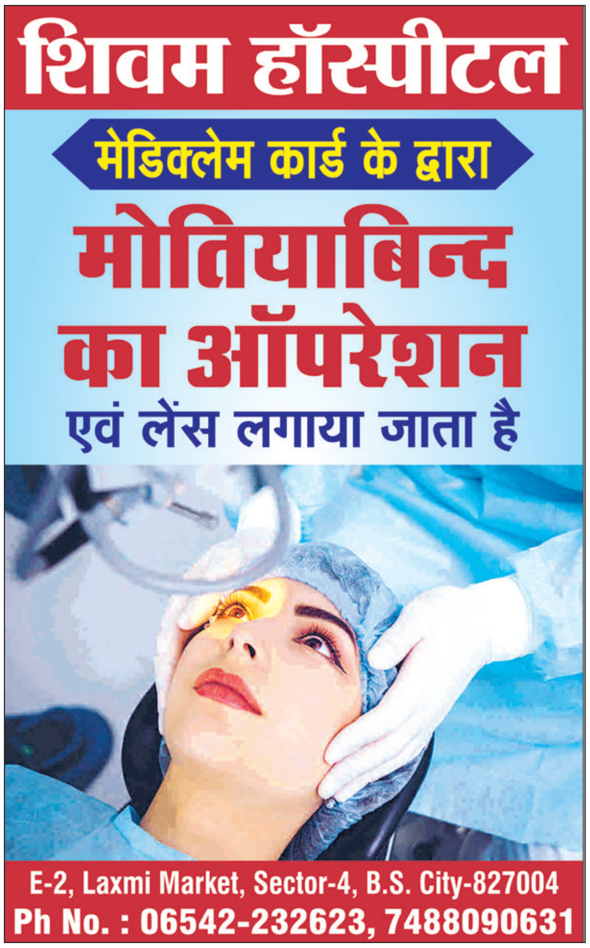

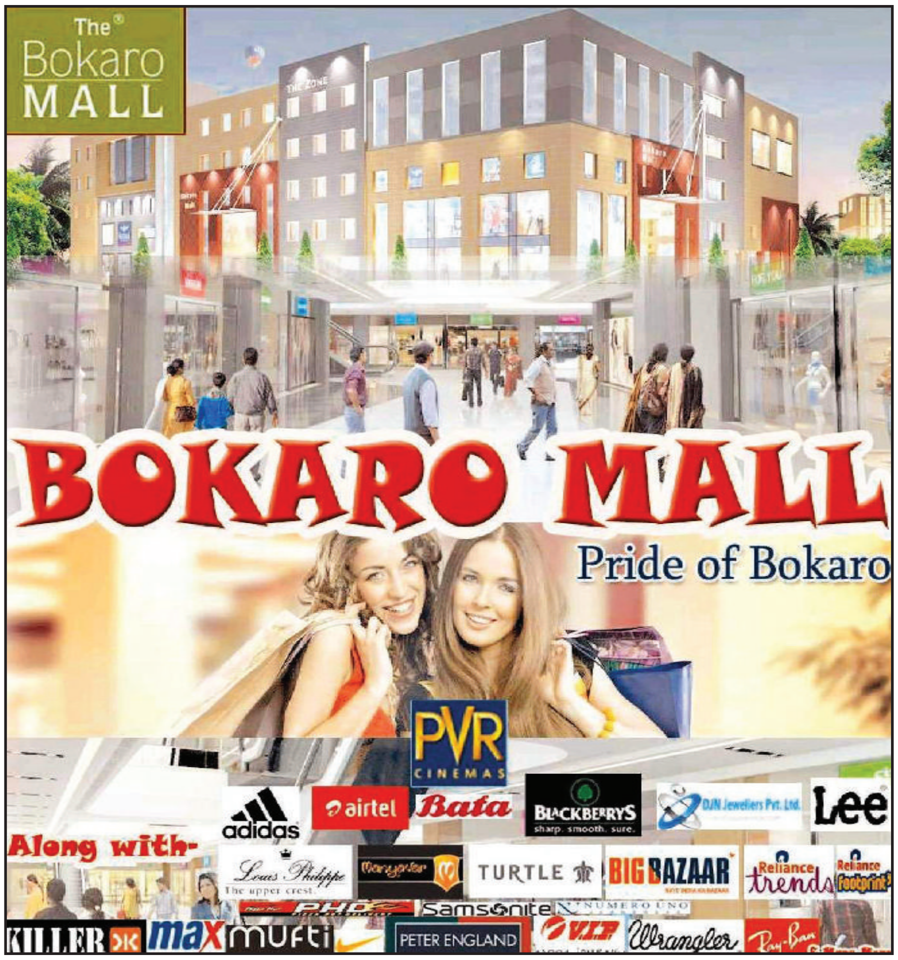

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)